गर खेल में जा रही हो रूहो प्यारियो
याद अर्श की दिल से न कभी विसारीयो

1- माया की चकाचौंध में तुम खो न जाना
झूठ में झूठे सुपन के महल बनाना ना
झूठे तन में रहनी अर्श उतारियो

2- रूहअल्ला भेजूंगा तुम्हें बुलावन को
अर्श की वाणी दूंगा साथ जगावन को
वचन जाग्रत चित्त में सदा चितारियो

3- आशिक हूं मैं आशिकी तुमसे निभाऊंगा
दुख तुम्हारे कांधा दे के उठाऊंगा
साथ तुम्हारे हूँगा दिल से पुकारियो

4- ईमान इश्क को कभी भी अपने खोना ना
अश्कों से दामन को कभी भिगौना ना
ये दर्द मेरा है मुझको ही दे डारियो

Nijanand App